PAGE NO.:
DATE: / /

दिन: मंगलवार

पाठ: 2 ल्हासा की ओर दिनांक: 26 मई, 2020

प्र०/उ० :-

1. थोङ्ला के पहले के आखिरी गाँव पहुँचने पर भिखमंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला जबकि दूसरी यात्रा के समय भद्र वेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका, क्यों?

उ०- इसका मुख्य कारण था - संबंधों का महत्व। तिब्बत में इस मार्ग पर यात्रियों के लिए एक-जैसी व्यवस्थाएँ नहीं थी। इसलिए वहाँ जान-पहचान के आधार पर ठहरने का उचित स्थान मिल जाता था। पहली बार लेखक के साथ बौद्ध भिक्षु सुमति थे। उनकी वहाँ जान-पहचान थी, पर पाँच साल बाद बहुत कुछ बदल गया था। भद्र वेश में होने पर भी उन्हें उचित स्थान नहीं मिला था। उन्हें बस्ती के सबसे गरीब झोपड़ी में रुकना पड़ा। यह सब उस समय के लोगों की मनोवृत्ति में बदलाव के कारण ही हुआ होगा। वहाँ के लोग शाम होते ही छंड पीकर होश खो देते थे और सुमति भी

साथ नहीं थे।

प्र. उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?

उ०- उस समय तिब्बत के पहाड़ों की यात्रा सुरक्षित नहीं थी। लोगों को डाकुओं का भय बना रहता था। डाकू पहले लोगों को मार देते और फिर देखते की उनके पास पैसा है या नहीं। तथा तिब्बत में हथियार रखने से संबंधित कोई कानून नहीं था। इस कारण लोग खुलेआम पिस्तौल बन्दूक आदि रखते थे। साथ ही वहाँ अनेक निर्जन स्थान भी थे, जहाँ पुलिस का प्रबंध नहीं था।

प्र. लेखक लङ्कोर मार्ग में साथियों से किस कारण पिछड़ गए?

उ०- लेखक लंगकोर के मार्ग में अपने साथियों से दो कारणों से पिछड़ गए थे :-

1. उनका घोड़ा बहुत सुस्त था। इस वजह से लेखक अपने साथियों से बिछड़ गया और अकेले में रास्ता भूल गया।

2. वे रास्ता भटककर एक-डेढ़ मील गलत रास्ते पर चले गए थे। उन्हें वहाँ से वापस आना पड़ा।

४. लेखक ने शेकर बिहार में सुमति को अनेक यजमानों के पास जाने से रोका, किंतु दूसरी बार क्यों नहीं?

उ०- लेखक ने शेखर बिहार में सुमति को यजमानों के पासजाने से रोका था, क्योंकि अगर वह जाता तो उसे बहुत वक्त लग जाता और इससे लेखक को एक सप्ताह तक उसकी प्रतीक्षा करनी पड़ती। परंतु दूसरी बार लेखक ने उसे रोकाने का प्रयास इसलिए नहीं किया क्योंकि वे अकेले रहकर मंदिर में रखी हुई हस्त-लिखित पोथियों का अध्ययन करना चाहते थे।

५. अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

उ०- लेखक को इस यात्रा दौरान अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा :-

१. जगह - जगह रास्ता कठिन तो था ही साथ में परिवेश भी बिलकुल नया था।

२. उनका घोड़ा बहुत सुस्त था। इस वजह से लेखक अपने साथियों से बिछड़ गए।

३. डाकू जैसे दिखने वाले लोगों से भीख माँगनी पड़ी।

४. भिखारी के वेश में यात्रा करनी पड़ी।

५. समय से न पहुँचने पर सुमति के गुस्से का सामना करना पड़ा।

६. तेज धूप में चलना पड़ा।

PAGE NO.:
DATE: / /

७. वापस आते समय लेखक को रुकने के लिए उचित स्थान भी नहीं मिला था।

६. प्रस्तुत यात्रा - वृतांत के आधार पर बताइए कि उस समय का तिब्बत समाज कैसा था?

उ०- प्रस्तुत यात्रा वृतान्त के आधार पर उस समय का तिब्बती समाज के बारे में पता चलता है :-

१. तिब्बत के समाज में भेद - भाव, जाति - पाँति आदि नहीं था।

२. सारे प्रबंध की देखभाल कोई भिक्षु करता था। वह भिक्षु जागीर के लोगों में राजा समान था।

३. उस समय तिब्बती औरतें परदा नहीं करती थी।

४. उस समय तिब्बती जमीन जागीरदारों में बंटी थी जिसका ज्यादातर हिस्सा मठों के हाथों में था।

७. 'मैं अब पुस्तकों के भीतर था।' नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन सा इस वाक्य का अर्थ है :-

(क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।
(ख) लेखक पुस्तकों की शैल्फ़ के भीतर चला गया।
(ग) लेखक के चारों ओर पुस्तकें ही थीं।
(घ) पुस्तक में लेखक का परिचय और चित्र छपा था।

उ०- (क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

* रचना और अभिव्यक्ति :-

7. सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग लगभग हर गाँव में मिले। इस आधार पर आप सुमति के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का चित्रण कर सकें

उ० - सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग हर गाँव में लेखक को मिले। इससे सुमति के व्यक्तित्व की अनेक विशेषताएँ प्रकट होती है :-

1. सुमति मिलनसार एवं हँसमुख व्यक्ति हैं।

2. सुमति के परिचय और सम्मान का दायरा बहुत बड़ा है।

3. वह उनके यहाँ धर्मगुरु के रूप में सम्मानित होता है।

4. वह सबको बोध गया का गंडा प्रदान करता है। लोग गंडों को पाकर धन्य अनुभव करते हैं।

5. वह स्वभाव से सरल, मिलनसार, स्नेही और मृदु थे, तभी लोग उन्हें आदर देते थे।

6. सुमति बौद्ध धर्म में आस्था रखते थे तथा तिब्बत का अच्छा भौगोलिक ज्ञान रखते थे।

8. 'हालाँकि उस समय मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी खयाल करना चाहिए था।' - उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं। आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित, विचार व्यक्त करें।

PAGE NO. :

DATE : / /

उ० - सामान्यता लोगों में एक धारणा बन गई है कि पहली बार मिलने वाले व्यक्ति का आंकलन उसकी वेशभूषा देखकर किया जाता है। लेखक भिखमंगो के वेश में यात्रा कर रहा था। इसलिए उसे यह अपेक्षा नहीं थी कि शेकर विहार का भिक्षु उसे सम्मानपूर्वक अपनाएगा।

मेरे विचार से वेशभूषा देखकर व्यवहार ~~देखकर~~ करना पूरी तरह ठीक नहीं है। अनेक संत - महात्मा और भिक्षु भी साधारण वस्त्र पहनते हैं ~~उ~~ किंतु वे उच्च चरित्र के इंसान होते हैं, गरीब व्यक्ति भी श्रेष्ठ चरित्र का हो सकता है।